सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 137 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 23 जून, 2023

मूल्य ₹ 3/-

कोई भी मूर्ख आलोचना, निंदा, और शिकायत कर सकता है और ज्यादातर मूर्ख करते हैं।

-डेल कार्नेगी

विपक्ष की एकजुटता म... ब भाजपा... 2 | विपक्षी एकता ने उड़ाई भाजपा की... 3 | भोपाल में पूर्व सीएम कमलनाथ के... 7

पटना में विपक्ष का महाजुटान, 2024 लोकसभा चुनाव पर शुरू हुआ मंथन

एकसाथ मिलकर हम बीजेपी को हराएंगे : कांग्रेस

» नीतीश ने बुलाई बैठक सभी ने कहा हम साथ हैं

» नीतीश ने गढ़ा एकता का परिवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। नीतीश कुमार के बुलावे पर शुक्रवार को पटना में विपक्षी दलों का महाजुटान हो गया। इस बैठक में लगभग विपक्ष के सभी बड़े नेता पहुंचे हैं। बैठक में 2024 में लोकसभा चुनाव पर मंथन हो रहा है। सभी एक रणनीति बनाने में जुटें हैं। सभी का एक ही मकसद है 24 में अहंकारी, तानाशाही,नफरत व अत्याचारी भाजपा की मोदी सरकार को उखाड़ फेंकना। राहुल गांधी बैठक में शामिल होने पटना पहुंच चुके हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी इस बैठक में शामिल हो रहे हैं। बैठक में शामिल होने से पहले राहुल गांधी गांधी पटना में कांग्रेस कार्यालय पर गए। यहां कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, पूरा देश समझ गया है कि नरेंद्र मोदी और भाजपा का मतलब सिर्फ 2-3 लोगों को फायदा पहुंचाना है वहीं कांग्रेस का मतलब देश के गरीबों के साथ खड़े होना और उनके लिए काम करना है।

इसमें शामिल होने के लिए कई दलों के नेता गुरुवार को ही पटना पहुंचे, जबकि कुछ नेता आज पहुंचे हैं। बैठक में देश भर के ज्यादातर बीजेपी विरोधी दल के नेता शामिल हो रहे हैं। हालांकि इसको साकार करना इतना आसान नहीं था। इन नेताओं को एकजुट करने में नीतीश कुमार एक शिल्पकार की तौर पर नजर आए हैं। हालांकि इन नेताओं को एक साथ एक मंच पर लाना काफी मुश्किल था। क्योंकि इसमें कई दल ऐसे भी हैं, जो सीधे तौर पर कांग्रेस से बात नहीं करना चाहते थे। नीतीश कुमार ने पहले कांग्रेस से बात की और उनको आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर अपनी योजना बताई। कांग्रेस ये फिर ऐसे नेताओं को एक मंच पर लाने की जिम्मेदारी नीतीश कुमार को दी। सभी इस बात पर सहमत हुए की खुद की महत्वाकांक्षा को भूलकर अगले लोकसभा चुनाव में बीजेपी को हराने के लिए एक साझा रणनीति बनाएंगे और उसी एजेंडे के मुताबिक जनता के सामने जाएंगे।

बिहार जीत गए तो भारत जीत जाएंगे : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी कांग्रेस कार्यालय पर कहा, इस कांग्रेस ऑफिस से जो भी नेता निकला वे देश के आजादी के लिए लड़ा। हमें गर्व है कि देश के पहले राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद जी इसी धरती से थे। अगर हम बिहार जीत गए तो सारे भारत में हम जीत जाएंगे।

संयुक्त परिवार की तरह मिलकर भाजपा से लड़ेंगे : ममता

बैठक के लिए पटना पहुंचीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक संयुक्त परिवार की तुलना करते हुए विश्वास जताया कि आगामी लोकसभा चुनाव में विपक्षी दल सामूहिक रूप से राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा से लड़ेंगे। पटना पहुंचने पर ममता बनर्जी ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के संरक्षक और बिहार के पूर्व सीएम लालू यादव और उनके बेटे और वर्तमान डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव से मुलाकात की। बिहार की राजधानी में पत्रकारों से बात करते हुए, ममता बनर्जी ने कहा कि लालू प्रसाद यादव जी से मिलना अद्भुत था। वह एक वरिष्ठ नेता हैं। दुर्भाग्य से, वह इतने दिनों तक जेल में थे और फिर लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहे, उन्हें देखकर अच्छा लगा। मैं अभी बैठक का विवरण साझा नहीं कर सकती। मैं केवल इतना कह सकती हूं कि हम यहां एक परिवार की तरह सामूहिक रूप से लड़ने के लिए आए हैं।

भारत जोड़ो और भारत तोड़ो के बीच लड़ाई : राहुल

पटना में विपक्ष की एकता बैठक से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, कि एकसाथ मिलकर हम बीजेपी को हराने जा रहे हैं। कर्नाटक में हम लोगों ने बीजेपी को हराया है। उन्होंने दावा किया कि तेलगांना, मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनेगी। राहुल गांधी ने कहा, देश में दो विचारधाराओं की लड़ाई चल रही है एक हमारी भारत जोड़ो की और एक तरफ भाजपा की भारत तोड़ो विचारधारा की। बीजेपी हिंदुस्तान को तोड़ने का काम कर रही है। नफरत और हिंसा फैलाने का काम कर रही है और कांग्रेस पार्टी जोड़ने का काम कर रही है और मोहब्बत फैलाने का काम करते हैं। नफरत को नफरत से नहीं काटा जा सकता है, नफरत को मोहब्बत से ही काटा जा सकता है।

विपक्ष की बैठक में देश के महत्वपूर्ण मुद्दों पर होगी चर्चा : पवार

एनसीपी प्रमुख शरद पवार भी विपक्षी एकता की बैठक में भाग लेने के लिए पुणे से बिहार के पटना के लिए रवाना हो गए। मीडिया से बातचीत में शरद पवार ने कहा कि हम देश के कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने और भविष्य की रणनीति तय करने के लिए बैठक कर रहे हैं। बैठक में मणिपुर मुद्दे पर भी चर्चा होगी।

मोदी से कहीं अधिक अनुभवी नेता हैं : तेजस्वी

बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि ऐसे कई नेता हैं, जो देश की बागडोर संभालने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहीं अधिक अनुभवी हैं और सभी विपक्षी नेता बैठक में महागठबंधन पर अपने विचार रखेंगे।

2024 में 300 से ज्यादा सीटें जीतेंगे : शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पटना में फोटो सेशन चल रहा है। विपक्ष पीएम मोदी और एनडीए को चुनौती देना चाहता है। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि 2024 में पीएम मोदी 300 से ज्यादा सीटें जीतकर देश के प्रधानमंत्री बनेंगे।

सभी दूल्हे हैं, बाराती कोई नहीं : सुशील मोदी

भारतीय जनता पार्टी के सांसद सुशील मोदी ने कहा, कि ये जो बारात लगी है, उसमें सभी दूल्हे हैं, बाराती कोई नहीं है। बताया जा रहा है कि विपक्षी नेताओं की मंत्रणा के दौरान नेतृत्व संबंधी सवालों को दरकिनार कर मिलकर मुकाबला करने की रणनीति पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। जहां हर कोई खुद को दावेदार के रूप में पेश कर रहा है। हर कोई दूसरों से अपनी शर्तें मनवाने में व्यस्त है। केजरीवाल ने धमकी दी है कि जब तक कांग्रेस अध्यादेश मुद्दे पर सहयोग की घोषणा नहीं करती, वह बैठक में शामिल नहीं होंगे, यह संभव है कि कुछ सहमति भी बन गई है।

क्या से क्या हो गया : नड्डा

बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी कांग्रेस पर तंज कसा है। ओडिशा के कालाकांडी में एक रैली को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा, कि आज मुझे बड़ा आश्चर्य हुआ... ये विपक्षी दल बिहार में गलबहियां कर रहे हैं, लेकिन ये भूल गए कि लालू प्रसाद यादव को राहुल गांधी की दादी ने 22 महीने के लिए जेल में डाला था। नीतीश कुमार 20 महीने के लिए जेल की सलाखों के पीछे थे। आज पटना की धरती पर जब मैं राहुल गांधी का स्वागत करते हुए इनकी तस्वीरें देखता हूं तो लगता कि राजनीति में क्या से क्या हो गया।

बदलाव लाना आसान नहीं : मायावती

विपक्ष की मीटिंग पर बसपा प्रमुख का तंज

» आंबेडकर का मानवतावादी संविधान सही से लागू नहीं किया गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने विपक्षी पार्टियों की बैठक पर तंज कसा है। उन्होंने कहा है कि नीतीश कुमार की यह बैठक दिल मिले ना मिले हाथ मिलाते रहिए की कहावत को ज्यादा चरितार्थ करती है। यह मुंह में राम बगल में छुरी आखिर कब तक चलेगा। उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा कि अगर लोकसभा चुनाव की तैयारियों को ध्यान में रखकर इस प्रकार के प्रयास से पहले ये पार्टियां जनता में मुद्दों को लेकर विश्वास जगातीं तो ठीक होता।

अपने गिरेबान में झांक कर अपने नीयत को थोड़ा पाकसाफ कर लेतीं तो बेहतर होता। उन्होंने कहा कि यूपी में लोकसभा की 80 सीट चुनावी सफलता की कुंजी कहलाती हैं लेकिन विपक्षी पार्टियों के रवैया से ऐसा नहीं लगता कि वे सही मायनों में अपने उद्देश्य के प्रति चिंतित हैं। बिना सही प्राथमिकताओं के साथ यह लोकसभा चुनाव की तैयारियां क्या वाकई जरूरी बदलाव ला पाएगी। यह भी साफ है कि मायावती ने इस बैठक से दूरी बना ली है। साथ ही उन्होंने इस बैठक पर भी तंज कसा है। मायावती ने कांग्रेस और भाजपा पर भी कटाक्ष किया। कहा कि महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, पिछड़ापन, शिक्षा, जातीय द्वेष , धार्मिक, उन्माद, हिंसा आदि से देश में बहुजन की हालत त्रस्त हैं। इससे स्पष्ट है कि बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के मानवतावादी संविधान को सही से लागू करने की क्षमता कांग्रेस और बीजेपी जैसी पार्टियों के पास नहीं है। विपक्षी एकता के लिए नीतीश कुमार लखनऊ आकर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को भी न्यौता दिया था। हालांकि वह मायावती से नहीं मिले थे।

सरकारी विभागों में नौकरियां दिलाने के नाम पर हो रही ठगी : अखिलेश

बोले- सत्ता के संरक्षण में हो रही है लूट

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा राज में लूट और भ्रष्टाचार चरम पर है। सत्ता संरक्षण में कहीं नौकरी के बहाने तो कहीं खुलेआम राह चलते लूट की जा रही है। सरकारी विभागों में नौकरियां दिलाने के नाम पर आए दिन ठगी होती है। अखिलेश की ओर से जारी बयान में कहा गया कि सिंचाई विभाग में संविदा पर 20 सहायक अभियंता, 26 अवर अभियंता और 39 कम्प्यूटर ऑपरेटरों को नियुक्ति पत्र जारी कर ठगा गया। सचिवालय में तो कई बार ठगों की कारस्तानी पकड़ी गई है। इनके तार मंत्री से लेकर आला अफसरों तक जुड़े होने की जांच चल रही हैं। होमगार्ड विभाग में भी कई घपले सामने आए हैं। कभी फर्जी नियुक्ति के केस पकड़े गए तो फर्जी ड्यूटी लगाने के भी मामले सुर्खियों में आए हैं। राजधानी में आए दिन चेन स्नैचिंग और मोबाइल छीनने की घटनाएं होती है। अखिलेश ने सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदेश में ठगी और भ्रष्टाचार के बढ़ते मामले बिना सत्ता संरक्षण के तो नहीं हो सकते हैं।

विपक्ष की एकजुटता मतलब भाजपा की हार : मलिक

» बोले- पीएम के लिए सबसे अच्छा चेहरा मैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

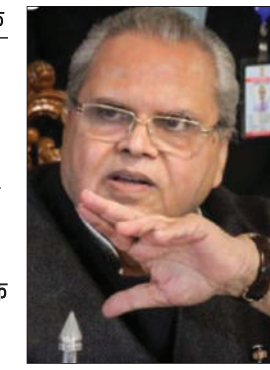

नई दिल्ली। हरियाणा के रोहतक जिले के हापंचायत में पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने कहा कि जब-जब विपक्ष एकजुट हुआ है बीजेपी को हार का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि इस बार बीजेपी के सामने विपक्ष का एक ही उम्मीदवार रहने वाला है। इसके लिए योजना बना ली गई है। मलिक ने कहा कि विपक्ष के पास इस समय 10 उम्मीदवार सीएम बनने के लायक हैं।

पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक से जब मीडिया ने चुनाव लड़ने के लिए पूछा तो उन्होंने कहा कि वो ना ही किसी पार्टी में जाएंगे और ना ही चुनाव लड़ेगें, लेकिन बीजेपी को जो भी हराएगा वो उसकी मदद करेंगे। वहीं पीएम चेहरे को लेकर मलिक से पूछा गया कि पीएम के तौर पर कौन सबसे अच्छा चेहरा हो सकता है। इसपर मलिक ने कहा कि सबसे बढ़िया चेहरा तो प्रधानमंत्री के लिए मैं हूं। पहलवानों के मुद्दे पर पूर्व राज्यपाल मलिक ने बीजेपी सरकार को घेरते हुए कहा कि बीजेपी को सिर्फ सत्ता से मतलब है बाकि किसी की कोई परवाह नहीं।

कांग्रेस करती है धार्मिक भेदभाव

» गहलोत पर बरसे शेखावत, बोले-भाजपा-आरएसएस के खिलाफ दंगे भड़काने का कोई प्रमाण नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सीएम अशोक गहलोत को आड़े हाथ लेते हुए कहा, कांग्रेस की धार्मिक भेदभाव की सोच और प्रशासन की ढिलाई दंगों के लिए जिम्मेदार है। मुख्यमंत्री की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए शेखावत ने कहा कि भाजपा-आरएसएस दंगों की राजनीति में विश्वास नहीं करते। भाजपा-आरएसएस के खिलाफ आज तक दंगे भड़काने का कोई प्रमाण नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में गहलोत सरकार की तुष्टीकरण नीति से दंगे फैलते हैं, जिससे निर्दोष लोग मारे जाते हैं और काम-धंधों का नुकसान होता है।

इस सरकार में तुष्टीकरण की हालत यह है कि दंगों की जांच और आरोपियों को पकड़ने में भी धार्मिक आधार पर भेदभाव किया जाता है। यह स्थिति किसी से छिपी हुई नहीं है।

चुनाव आते ही गोभक्त हो जाते हैं मुख्यमंत्री

शेखावत ने कहा कि चुनाव का समय आते ही मुख्यमंत्री गोभक्त हो जाते हैं। गहलोत गोदान करने का राग अलापते हैं, लेकिन वे यह भूल जाते हैं कि राजस्थान में लाखों गायें लंपी से मर गई थीं। उनके उपचार में यह सरकार पूरी तरफ विफल साबित हुई थी। अब सरकार ने मात्र 76 हजार मौतें लंपी से मानी है, जबकि इस महामारी में लाखों गायें मारी गई थीं। उन्होंने कहा, गोपालकों को मुआवजा देने का ढोल तो पीटा जा रहा है, लेकिन वह अभी तक पूरा नहीं दिया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार राज्य में अभी तक 42 हजार दुधारू गायों का ही मुआवजा दिया है। इसके लिए भी पशुपालकों को राहत शिविरों में बुलाकर परेशान किया जा रहा है।

पायलट को सम्मानजनक स्थान देगी कांग्रेस

» गहलोत से मिले केसी वेणुगोपाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने गुरुवार की देर रात जयपुर में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से लंबी मुलाकात की। इस मुलाकात में अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच हुए विवाद सुलझाने को लेकर बात हुई। अभी तक कांग्रेस सूत्रों का कहना है की पार्टी नेतृत्व नहीं चाहता की सचिन पायलट पार्टी का साथ छोड़ें या ऐसी कोई नौबत आए, इसी वजह से दोनों नेताओं के बीच विवाद को सुलझाने के लिए और राज्य में सचिन पायलट को सम्मानजनक स्थान देने की कोशिशें जारी हैं।

सूत्रों की मानें तो बीते दिनों पहले केसी वेणुगोपाल ने दिल्ली में सचिन पायलट से लंबी बातचीत की और उसके बाद केसी वेणुगोपाल सीएम अशोक गहलोत से मिलने जयपुर पहुंचे। हालांकि आधिकारिक रूप से यह कहा गया कि वेणुगोपाल जयपुर में एक शादी में शरीक होने आए थे, लेकिन यहां पर दोनों के बीच एक घंटे से ज्यादा बातचीत हुई। दोनों नेताओं के बीच हुई मुलाकात के अपने अलग-अलग मायने निकाले जा रहे हैं, गुरुवार को वेणु गोपाल पीडबल्यूडी मंत्री भजन लाल जाटव की बेटी की शादी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचे थे. यहां पर कांग्रेस नेताओं से बात करते हुए उन्होंने कहा, सब ठीक है और दोनों नेता साथ में चुनाव लड़ेंगे।

आलाकमान भी हुआ सक्रिय

कांग्रेस के विश्वस्त सूत्रों का कहना है कि राजस्थान में विधानसभा चुनाव होने से ठीक पहले आलाकमान अपने दो सबसे मजबूत सिपहसलारों को एकजुट करने के लिए जी-तोड़ कोशिशों में लगा हुआ है। ऐसे में सूत्रों का कहना है, महत्वाकांक्षा और सरकार में अवसर नहीं दिए जाने को लेकर सचिन पायलट सियासी वनवास भोग रहे हैं, ऐसे में चुनावों से ठीक पहले आलाकमान उनको संतुष्ट करने के लिए कोई महत्वपूर्ण पद देना चाहता है, लेकिन वह गहलोत की भी असुरक्षा को नजरअंदाज नहीं कर रहा है, क्योंकि 2020 में सचिन कथित तौर पर पार्टी से बगावत कर चुके हैं।

आप सरकार सिर्फ प्रचार कर रही : एलजी

» दिल्ली सरकार अस्पताल निर्माण योजना में लक्ष्य से 10 साल पीछे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में आप की केजरीवाल सरकार और उपराज्यपाल वी.के सक्सेना के बीच वाक युद्ध खत्म होने का नाम नहीं ले रहा हैं। अब ताजा विवाद में स्वास्थ्य व्यवस्था पर उपराज्यपाल ने चिंता जताई है। अस्पताल निर्माण में हो रही देरी पर दिल्ली सरकार को अवगत भी कराया है। इस बाबत उपराज्यपाल ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र भी लिखा है। सक्सेना ने कहा कि सरकार का इरादा सिर्फ प्रचार करने का है। इसके अलावा कुछ भी नहीं है।

काम जमीनी स्तर पर होना चाहिए ना की केवल प्रचार-प्रसार के लिए। विलंबित अस्पताल परियोजनाओं पर मीडिया रिपोर्टों का भी हवाला उपराज्यपाल ने दिया है। पत्र में कहा है कि न केवल सिरसपुर में नए अस्पताल का निर्माण कार्य निर्धारित समय से एक साल पीछे चल रहा है, बल्कि लोक नायक, गुरु गोबिंद सिंह, डॉ. बीआर आंबेडकर, राव तुला राम और अरुणा आसफ अली जैसे मौजूदा अस्पतालों में बिस्तरों की बढ़ोतरी में भी तीन साल से अधिक की देरी हुई है। पत्र में उपराज्यपाल ने कहा है कि इंदिरा गांधी अस्पताल का काम 2012-13 में शुरू हुआ था। 10 साल बीत जाने के बावजूद अब तक पूरा नहीं हुआ है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भगवान महावीर, अरुणा आसफ अली और दीपचंद बंधु अस्पताल में अभी तक काम ही चल रहा है। दीप चंद बंधु अस्पताल का काम 2019 में शुरू किए गया था और 2020 तक पूरा करने का लक्ष्य था। तीन साल बाद भी पूरा होने की कोई निश्चित तारीख नहीं है।

जनता को गुमराह कर रहे एलजी : भारद्वाज

स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली सरकार लोगों की सुविधा के लिए बेहतर अस्पतालों का निर्माण कर रही है। उन्होंने उपराज्यपाल वीके सक्सेना की ओर से अस्पतालों के निर्माण को लेकर उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए कहा कि जल्द ही लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा के साथ अस्पताल मिलेंगे। भारद्वाज ने सक्सेना पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें संबंधित अधिकारी गलत तथ्य के साथ सूचित कर रहे हैं। वह दिल्ली की जनता को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि अस्पतालों के निर्माण कार्य में हो रही देरी के डाटा तथ्यात्मक रूप से गलत है। कोरोना महामारी के दौरान भी दिल्ली सरकार ने अतिरिक्त बेड का बेहतर प्रबंधन किया था।

विपक्षी एकता ने उड़ाई भाजपा की नींद

» बौखलाहट में विपक्षी नेताओं के करीबियों के यहां छापे

» जदयू ने कहा एकता से 450 सीटों पर पड़ सकता है प्रभाव

» भाजपा ने बोला कोई कुछ भी करले फिर आएगी मोदी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

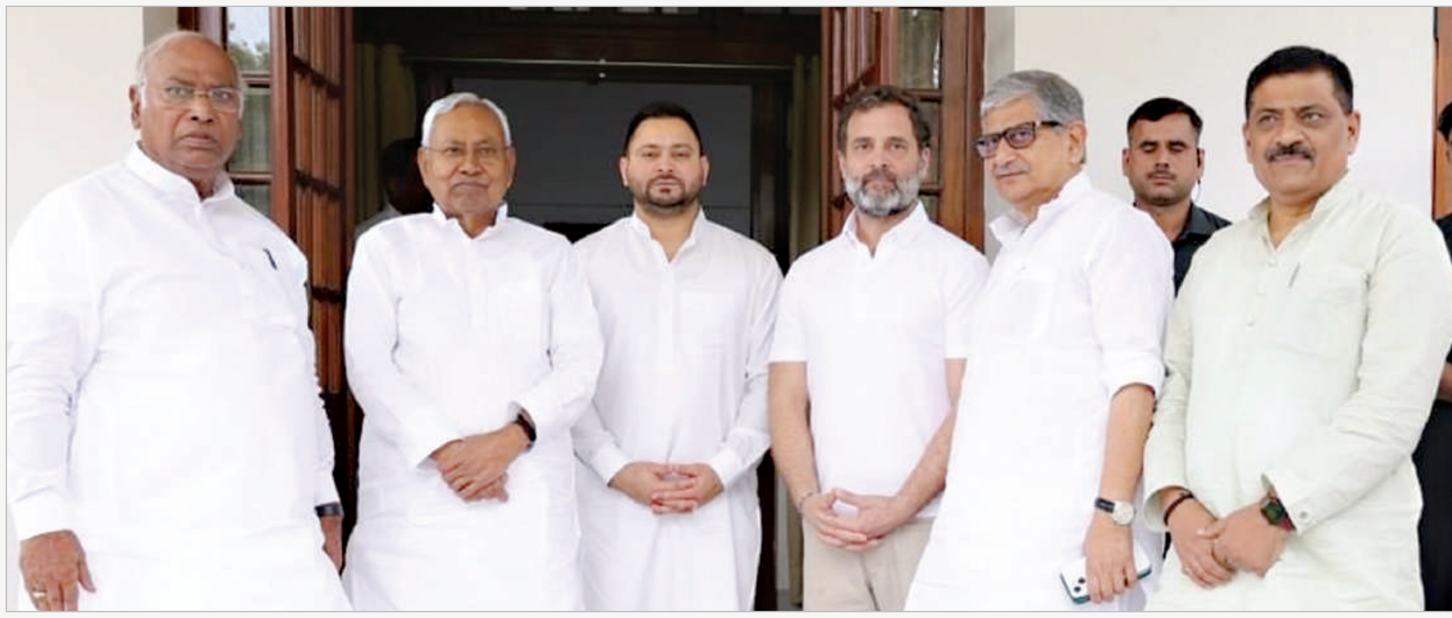

नई दिल्ली। आगामी लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की मोदी सरकार को केंद्र की सत्ता से बेदखल करने के लिए विपक्ष एकजुट होने के प्रयास में लगा हुआ है। दक्षिण से लेकर उत्तर भारत तक के सियासी दल वर्तमान मोदी सरकार को घेरने का कोई भी मौका छोड़ना नहीं चाहते हैं। इसी सिलसिले में आप के नेता अरविंद केजरीवाल, जदयू व बिहार के सीएम नीतीश कुमार, बीआरएस नेता चंद्रशेखर राव पूरे देश में घूमकर विपक्ष को एकजुट करने में लगे हैं। इस एकजुटता के शोर से भाजपा की मोदी सरकार की नींद उड़ी हुई है।

इसी बौखलाहट में उसने21 को महाराष्ट्र व 22 को बिहार में ताबड़तोड़ ईडी व आईटी के छापे विपक्षी नेताओं से जुड़े लोगों के यहां डलवा कर एकता को डराने की कोशिश की पर विपक्ष ने कहा हम पीछे नहीं हटेंगे। वहीं बीजेपी ने कहा कि कुछ भी कर ले विपक्ष सत्ता में नहीं आ पएंगी मोदी फिर से सरकार बना लेंगे। हालांकि 23 जून को पटना में होने वाली बैठक से पहले आप ने अध्यादेश मामले पर कांग्रेस को अल्टीमेटम देकर कहा कि अगर वह समर्थन करेगी तभी आप भाग लेगी। इससे विपक्षी एकता को तगड़ा झटका लगा है। हालांकि इसके बाद मानमनौव्वल का दौर भी शुरू हो गया है। शुक्रवार को पता चलेगा कौन-कौन इस बैठक में मौजूद रहता है। विपक्षी दलों की महाबैठक से पहले ही घमासान शुरू हो गया है। आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को अल्टीमेटम दे दिया है कि अगर अध्यादेश के मुद्दे पर कांग्रेस समर्थन नहीं देती, तो वो विपक्षी बैठक का बॉयकॉट करेगी। आगामी लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को केंद्र की सत्ता से बाहर करने के उद्देश्य से देश के प्रमुख विपक्षी दलों के शीर्ष नेता शुक्रवार को पटना में मंथन करेंगे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ एक मजबूत विपक्षी मोर्चा के गठन की रणनीति बनाएंगे।

नीतीश ने थर्ड फ्रंट को फर्स्ट फ्रंट में बदला : त्यागी

जेडीयू के राष्ट्रीय महासचिव और प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा कि विपक्षी दलों को एक मंच पर लाने का काम बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया है। केसी त्यागी ने थर्ड फ्रंट को फर्स्ट फ्रंट बताते हुए कहा, नीतीश कुमार ने सबसे पहला काम यह किया है कि उन्होंने यह बताया, बिना कांग्रेस के कोई सार्थक विपक्ष नहीं हो सकता है। कई पार्टियों को लगता है कि कांग्रेस के बिना लोकसभा चुनाव में एनडीए को कड़ी टक्कर दी जा सकती है। नीतीश कुमार ने थर्ड फ्रंट को फर्स्ट फ्रंट में परिवर्तित कर दिया।नीतीश कुमार जिन राजनीतिक दलों के नेताओं और अध्यक्षों को एकजुट कर एक मंच पर लाए हैं, वो करीब 450 सीटों पर अपना प्रभाव डालते हैं।

कहीं ना कहीं तो शरण लेनी पड़ती है : मांझी

बिहार में सत्तारूढ़ महागठबंधन से अलग होने के बाद हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) ने एनडीए (एनडीए) में शामिल होने की घोषणा की है। इसको लेकर पिछले दो दिनों से पार्टी के संरक्षक और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी अपने बेटे पूर्व मंत्री संतोष सुमन के साथ बीजेपी के बड़े नेताओं से मिल रहे हैं। गृह मंत्री अमित शाह के साथ बैठक के बाद वो बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मिले। इसके बाद जीतन राम मांझी ने कहा कि राजनीति में कहीं ना कहीं तो शरण लेनी पड़ती है। मांझी ने कहा कि जब हमारी पार्टी का जेडीयू में विलय करने की बात की, आविश्वास किया, जासूसी का आरोप लगाया तो हम क्या करते। हम तो निष्ठा के

साथ काम करते हैं। राजनीति में कहीं ना कहीं तो शरण लेनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि जब नीतीश कुमार ने बाहर जाने की ही बात कर दी, तो कसम कहां रह जाता है। उन्होंने कहा कि या तो पार्टी में शामिल हो जाओ, नहीं तो बाहर जाओ तो फिर मैं क्या करता। वहीं विपक्षी दलों की 23 जून को होने वाली बैठक को लेकर मांझी ने कहा कि नरेंद्र मोदी के सामने कोई नेता नहीं है। वपक्षी एकता नहीं बन पाएगी। उनका नेता कौन होगा, इसको लेकर कोई फैसला नहीं हो पाया है, अभी एनडीए के सामने देश में कोई विकल्प नहीं है। नीतीश सरकार के मंत्री विजय कुमार चौधरी के करीबी के घर पर छापेमारी पर मांझी ने कहा कि जिनके पास पैसे होंगे, उन्हीं के पास ही जांच एजेंसी पहुंचेंगी। हमारे यहां कहां आती है, जिनके पास अवैध धन होता है, अकूत संपत्ति होती है, उन्हीं के पास ये एजेंसी जाती है।

नीतीश कुमार का हम पर विश्वास नहीं रहा- संतोष सुमन

वहीं हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार सरकार में पूर्व मंत्री संतोष सुमन ने कहा कि जब उनका विश्वास नहीं रहा तो क्या करते। इसलिए हमने गृह मंत्री और बीजेपी अध्यक्ष से मुलाकात की। पहले ही मैंने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा कि जब नीतीश जी एनडीए से बाहर महागठबंधन में आए तो वह पूरी तरह बदल गए। अधिकारी से लेकर नीतियों तक में हम लोगों ने समझाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं माने। कसम हम लोगों ने नहीं तोड़ी है, जब नीतीश जी हम पर अविश्वास करने लगे तो क्या करते। सुमन ने कहा कि यह गठबंधन आगे बढ़ेगा। हम गरीबों और बिहार के विकास के लिए काम करेंगे।

ये विपक्षी दल बैठक में हो रहे शामिल

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पार्टी के नेता राहुल गांधी, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार के विपक्षी दलों की होने वाली इस पहली उच्च स्तरीय बैठक में भाग लेने की उम्मीद है।

आप ने कांग्रेस पर बनाया दबाव

आम आदमी पार्टी सूत्रों के मुताबिक, अगर कांग्रेस ने शुक्रवार की बैठक में अध्यादेश पर समर्थन करने का आश्वासन नहीं दिया, तो आप बैठक से तुरंत वाकआउट करेगी। केजरीवाल ने विपक्षी नेताओं को पत्र लिखकर 23 जून को होने वाली गैर-भाजपा दलों की बैठक में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में प्रशासनिक सेवाओं के नियंत्रण को लेकर केंद्र के अध्यादेश पर चर्चा करने और मामले पर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा है। इससे पहले आप के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने विपक्षी नेताओं से कहा कि वे इसे दिल्ली केंद्रित समस्या के तौर पर नहीं सोचें और दावा किया कि यदि विरोध नहीं किया गया तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाला केंद्र अन्य राज्यों के लिए भी इसी तरह का अध्यादेश ला सकता है। केंद्र ने 19 मई को दिल्ली में ग्रुप-ए के अधिकारियों के स्थानांतरण और पदस्थापना पर एक प्राधिकरण बनाने के लिए अध्यादेश जारी किया था, जिसे 'आप नीत सरकार ने सेवाओं पर नियंत्रण से जुड़े उच्चतम न्यायालय के फैसले के साथ धोखा करार दिया था। शीर्ष अदालत के 11 मई के फैसले से पहले दिल्ली सरकार में सभी अधिकारियों के स्थानांतरण और पदस्थापना के मामले उपराज्यपाल के कार्यकारी नियंत्रण में थे। अध्यादेश के बाद, केजरीवाल गैर-भाजपा दलों के नेताओं से लगातार संपर्क करके इसके खिलाफ समर्थन जुटाने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि संसद में इससे संबंधित विधेयक पारित न हो पाए।

वन अगेंस्ट वन का फॉर्मूला होगा प्रभावी

नीतीश कुमार का वन अगेंस्ट वन का फॉर्मूला बेहद प्रभावी होगी। अगर इस फॉर्मूले पर चलने के लिए सभी विपक्षी दल तैयार हो जाते हैं, तो चुनाव परिणामों में काफी अंतर देखने को मिल सकता है। केसी त्यागी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को महागठबंधन की धुरी बताया। नीतीश कुमार समन्वय का काम कर रहे हैं। बैठक में शामिल होने वाली आधा दर्जन पार्टी ऐसी हैं, जो कांग्रेस पार्टी से दूरी बनाए हुए थीं। वहीं, कांग्रेस पार्टी मानती थी कि इन पार्टियों ने ही उसका पॉलिटिकल प्लेस छीना है। कांग्रेस और इन पार्टियों के बीच नीतीश कुमार ने ही एक धुरी का काम किया है। नीतीश कुमार की तुलना केसी त्यागी ने जॉर्ज फर्नांडिस से करते हुए कहा। हम लोगों ने ऐसी ना कोई मांग की है और ना ही हम ऐसी कोई अपेक्षा रखते हैं, लेकिन भारत की राजनीति में जो भूमिका कभी जॉर्ज फर्नांडिस की एनडीए बनाने में थी या हरकिशन सिंह सुरजीत की यूनाइटेड फ्रंट को बनाने में थी, लगभग आज वैसी ही भूमिका नीतीश कुमार की है और इस पर हम बहुत गर्व भी करते हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

सौदों से मिलेगा रक्षा क्षेत्र को लाभ

“

सरकार का दावा है इन समझौतों से भारत की सामरिक शक्ति बढ़ेगी। इन बड़े यंत्रों से भारत के विकास में लाभ होगा। खैर आगे क्या होगा ये तो काल के गाल में छीपा है पर पुराने कई सौदे अब भी पाइपलाइन में हैं उनकी समीक्षा भी जरूरी है। उधर उम्मीद की जा रही है इन सौदों से आगे देश को लाभ मिलेगा।

प्रधानमंत्री आजकल अमेरिका के दौरे पर है। वंहा पर वह कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात करेंगे। सबसे बड़ी बात वे वहां रक्षा क्षेत्र में बड़ी कंपनियों से डील करेंगे। सरकार का दावा है इन समझौतों से भारत की सामरिक शक्ति बढ़ेगी। इन बड़े यंत्रों से भारत के विकास में लाभ होगा। खैर आगे क्या होगा ये तो काल के गाल में छीपा है पर पुराने कई सौदे अब भी पाइपलाइन में हैं उनकी समीक्षा भी जरूरी है। उधर उम्मीद की जा रही है इन सौदों से आगे देश को लाभ मिलेगा। इन समझौतों में जहां यूएस की कंपनी जीई एयरोस्पेस हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ मिलकर भारत में फाइटर जेट इंजन बनाएगी। इसके लिए जीई एयरोस्पेस और एचएएल के बीच एमओयू साइन हुआ है। पीएम मोदी इस समय अमेरिका के राजकीय दौरे पर हैं। जीई एयरोस्पेस का पहले ही भारतीय वायु सेना के लिए 99 फाइटर जेट इंजन बनाने का कमिटमेंट है।

नए एग्रीमेंट के अनुसार तेजस लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट एमके2 के लिए जीई एयरोस्पेस का एफ 414 इंजन भारत में को-प्रोड्यूस होगा। यानी एचएएल और जीई एयरोस्पेस मिलकर यह इंजन बनाएंगे। जीई एयरोस्पेस की मूल कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक के एक आधिकारिक के अनुसार, एग्रीमेंट में जीई एयरोस्पेस के एफ 414 इंजन का भारत में संभावित संयुक्त उत्पादन शामिल है। अमेरिकी कंपनी ने कहा कि वह अभी भी इसके लिए आवश्यक निर्यात अनुमति प्राप्त करने के लिए सरकार के साथ काम कर रही है। यह घोषणा एलसीए एमके 2 कार्यक्रम के हिस्से के रूप में जीई एयरोस्पेस के भारतीय वायु सेना के लिए 99 इंजन बनाने के पिछले कमिटमेंट को आगे लेकर जाएगी। इस एमओयू से पहले आज पीएम मोदी जीई एयरोस्पेस के लॉरेंस कल्प जूनियर से मिले थे। उन्होंने भारत में मैन्यूफैक्चरिंग के लॉन्ग टर्म कमिटमेंट के लिए कंपनी की सराहना की थी। यह चर्चा भारत में मैन्यूफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए जीई के बड़े प्रौद्योगिकी सहयोग पर केंद्रित थी। पीएम मोदी ने कंपनी को भारत में एविएशन और रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर्स में भी बड़ी भूमिका निभाने के लिए इनवाइट किया। जनरल इलेक्ट्रिक की जीई एयरोस्पेस पहले भी भारतीय वायु सेना को की उपकरण दे चुकी है। कंपनी पिछले करीब 40 साल से भारत के साथ काम कर रही है। अभी तक कंपनी एवियोनिक्स, इंजीनियरिंग, मैन्यूफैक्च रिंग और लोकल सोर्सिंग के क्षेत्र में भारत के साथ काम कर रही थी। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड का शेयर गुरुवार को 1.45 फीसदी या 55.40 रुपये की गिरावट के साथ 3763.70 रुपये पर बंद हुआ है। इस शेयर का 52 वीक हाई 3,950 रुपये है। वहीं, 52 वीक लो 1718 रुपये है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

वार्ता में चीनी चुनौती से निपटने की रणनीति भी

केएस तोमर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जारी अमेरिका यात्रा का मुख्य उद्देश्य जहां दो लोकतांत्रिक देशों के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना होगा, वहीं चीन द्वारा विश्व के कमजोर देशों को वित्तीय जाल में फंसाने की नीति के चलते एशिया व अन्य महाद्वीपों में उसके बढ़ते प्रभाव को रोकना रहेगा।

इस संदर्भ में पीएम नरेंद्र मोदी का ट्वीट काफी अहम है कि 'इस बात से अत्यंत रोमांच अनुभव कर रहा हूं कि मैं अमेरिकी संसद के दोनों सदनों को सम्बोधित करूंगा। अमेरिका के साथ हमारी महत्वपूर्ण भागीदारी, दोनों देशों में लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित मित्रता और लोगों में बढ़ता भाईचारा विश्व में शांति और विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल होगी।' ऐसे में भारत और अमेरिका संयुक्त रूप से चीनी आक्रामकता के मुकाबले के लिए रणनीति बना सकते हैं।

विश्लेषकों का मानना है कि चीन अड़ियल रुख के कारण भारतीय क्षेत्र पर अपने अतिक्रमण को छोड़ने को तैयार नहीं है। वहीं विश्व के समक्ष स्वयं को एक उदार राष्ट्र सिद्ध करने के लिए भारत के साथ वार्तालाप के दौर जारी रख रहा है जबकि किसी भी बात पर सहमत नहीं हुआ। इसी कारण भारत सजग है। विश्लेषकों का मानना है कि चीन एक रणनीति के तहत गरीब व छोटे देशों को कर्जदार बना रहा है और दक्षिण एशिया के राष्ट्रों को चीन की इस नीति से बचाने में भारत-अमेरिका सहयोग अहम हो सकता है। इससे विश्व में चीन के बढ़ते प्रभाव पर भी रोक लग सकेगी। मोदी और बाइडन इन मुद्दों पर चर्चा करेंगे। हाल के दिनों में भारत और अमेरिका के वरिष्ठ अधिकारियों में वार्ताओं के कई दौर हुए हैं जिनमें भविष्य की रणनीति का खाका तैयार किया गया ताकि तकनीकी स्तर पर अधिक आदान-प्रदान हो जो भारत को औद्योगिक तौर पर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम होगा। प्रधानमंत्री मोदी का सपना है कि आत्मनिर्भरता के बाद भारत विश्व शक्ति बन कर उभरे। समझा जाता है कि सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण वायु, थल और समुद्र के नीचे टोह लेने एवं गतिविधियों पर नजर रखने की तकनीकों पर समझौते तैयार किये जाएंगे। भारतीय प्रधानमंत्री और अमेरिकी राष्ट्रपति इन पर मोहर लगाएंगे।

इन समझौतों के बाद भारत को उच्चतम और आधुनिक तकनीक मिल सकेगी जो भारत के रक्षा उद्योग को नए पंख लगाएगी। इन समझौतों को इंडस एक्स का नाम दिया गया है। दुनिया भारत और रूस के दशकों से चले आ रहे मैत्रीपूर्ण संबंधों से वाकिफ है। अमेरिका के सख्त विरोध के बावजूद भारत ने रूस से पेट्रोल आदि आयात को बंद नहीं किया। मोदी इस विषय में भारत का पक्ष अवश्य रखेंगे। यह भी चर्चा का विषय होगा कि भविष्य में देश के हितों की अनदेखी किए बगैर किस प्रकार रूसी तेल पर निर्भरता कम की जा सकती है। विश्लेषकों का मानना है कि मोदी की यह यात्रा विश्व के सभी देशों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि मौजूदा समय में जब चीन अपनी औपनिवेशिक गतिविधियां तेज कर रहा है, अमेरिका को इस पर अंकुश लगाने के लिए भारत का साथ जरूरी है। यह भारत के लिए भी महत्व रखता है क्योंकि चीन देश की सीमाओं पर निरंतर अतिक्रमण से बाज नहीं आ रहा। इस यात्रा के दौरान रक्षा और औद्योगिक सहयोग के कई समझौतों पर हस्ताक्षर होंगे। विशेषज्ञ मानते हैं कि अमेरिका को चीन की रोड एंड बेल्ट परियोजना से चिंता है क्योंकि समझा जाता है कि इसको मोहरा बना कर चीन दक्षिण एशिया के देशों पर प्रभुत्व कायम करने का प्रयास कर रहा है। चीन निरन्तर दक्षिण चीन सागर पर आधिपत्य जमाने का प्रयास कर रहा है जिसके कारण जापान और अमेरिका के इस क्षेत्र के सहयोगी देशों का चिंतित होना स्वाभाविक है। भारत डिजिटल और तकनीकी क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है और यदि भारत-अमेरिका इस क्षेत्र में सहयोग को गति प्रदान करते हैं तो चीन का प्रभाव कम किया जा सकता है क्योंकि भारत उत्पादन की क्षमता रखता है। इस समय चीन परेशान

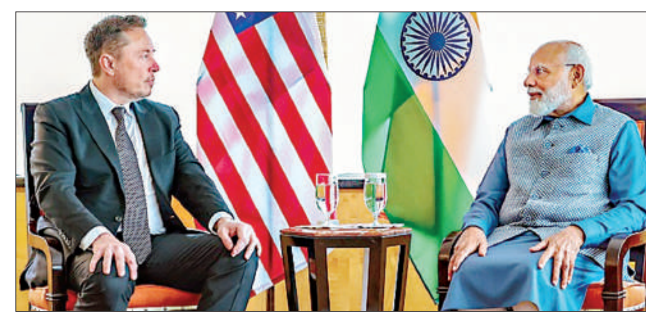

है कि अमेरिका ने नयी रणनीति अपनाकर चीनी उत्पादों पर अपनी निर्भरता कम की है। भारत की इस क्षेत्र में अहम भूमिका होगी। यदि ऐसा हुआ तो भारत इन चिप्स के उत्पादन के लिए अहम होगा।

हाल ही में भारत और अमेरिका के उच्च अधिकारियों ने छह माह की लंबी मंत्रणा के बाद इस द्विपक्षीय बातचीत के मसौदे को अंतिम रूप दिया था। अब अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन और भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने दिल्ली में प्रधानमंत्री की यात्रा से पहले बातचीत की। दोनों सुरक्षा सलाहकारों ने आपसी सहयोग की लंबी अवधि की महत्वाकांक्षी परियोजना के मसौदे पर प्रकाश डाला और उन्नत तकनीक के सात क्षेत्रों जिनमें दूरसंचार, सेमी कन्डक्टर निर्माण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विषयों का खुलासा किया।

आतंक के खिलाफ बने मारक ड्रोन रणनीति

ग्रुप कैप्टन मुरली मेनन (से.नि.)

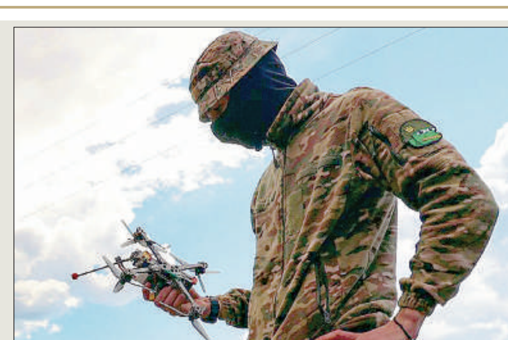

एक हकीकत है? कि 9/11 के आतंकी हमले के बाद अमेरिका ने आतंकवाद के विरुद्ध जो वैश्विक युद्ध छेड़ा था, वह 2021 में अफगानिस्तान से अमेरिकी फौज की हड़बड़ी में वापसी के बाद शिथिल पड़ने लगा है। आतंकवाद को लेकर अमेरिका की प्राथमिकताएं अपने हितों को केंद्र में रखकर बनाई जाती रही हैं, जिसके चलते पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैय्यबा के सरगना हाफिज सईद और भगोड़े डॉन दाऊद इब्राहिम जैसों को लेकर उसका रवैया विरोधाभासी रहा है। मुम्बई आतंकी हमले के लगभग 15 साल बाद, हाल ही में एक अमेरिकी अदालत ने अमेरिकी सरकार की मार्फत भारत की अर्जी पर सहमति व्यक्त की है, जिसमें कनाडाई व्यापारी तहव्वुर राणा को भारत को सौंपने की अपील की गई थी, जो कि 26/11 के मुम्बई हमले में हाफिज सईद और अन्यों का सह-आरोपी है। वर्ष 2019 में भारत ने हाफिज सईद, दाऊद इब्राहिम और जैश-ए-मोहम्मद सरगना मसूद अजहर को संशोधित गैरकानूनी गतिविधि (प्रतिरोध) कानून के अंतर्गत आतंकी घोषित किया था।

सीरिया में हुई हालिया घटनाओं ने भारत जैसे आतंक-पीड़ित राष्ट्रों को उपायों वाली कार्रवाई करने की जरूरत को सुदृढ़ किया है। अप्रैल महीने के आखिर में, तुर्की के खुफिया बलों ने आईएसआईएस नेता अबू अल-हुसैनी अल कुरैशी को मार गिराने का दावा किया था। इससे पहले, अमेरिकी बलों ने भी एक मामले में सीरिया की डेमोक्रेटिक आर्मी के साथ मिलकर तो अन्य में केंद्रीय कमान द्वारा आईएसआईएस के दो बड़े आतंकियों हमजा अल होमजी और अय्यद अहमद अल जाबौरी को उत्तरी सीरिया में मार गिराया था। साफ है यह तीनों हवाई हमलों के जरिए मारे गए। तीन दशक से ज्यादा समय से सीमापारीय आतंकवाद झेल रहे भारत को प्राथमिकता के आधार पर एक आतंकी-सफाया सूची बनानी चाहिए थी। आतंक से मुक्ति किसी राष्ट्र को अपनी आर्थिक और सामरिक आकांक्षाएं पूरी के लिए एक आवश्यक पूर्व-शर्त है।

सटीक खुफिया सूचना और एकदम सटीक निशाना लगाने की क्षमता किसी भी प्रभावशाली आतंकरोधी हवाई अभियान का मुख्य अवयव होती है। यह समय 'ग्रे-जोन' अभियान चलाने का है, जैसे कि विशेष बल और खुफिया सूचना आधारित मारक हमला। नवीनतम मिलिटरी जैट पैक और पैराशूट- सैनिकों के लिए बॉडी सूट नामक तकनीक की उपलब्धि विशेष बलों की औचक कार्रवाई क्षमता में रोचक संभावनाएं पैदा करती हैं। शक्ति गुणात्मकता बनाने की प्राप्ति के लिए, वायुसेना के गरुड़ कमांडो बल और नौसेना के जल कमांडो दस्ते मारकोस द्वारा मिलकर कार्रवाइयां करने की सलाह व्यावहारिक है। 20 अप्रैल को पुंछ में सैनिक दस्ते पर घात लगाकर हुए हमले से स्पष्ट है ऐसे आतंकी हमले आगे भी रुकने वाले नहीं। अब जबकि पाकिस्तान के पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल कमर जावेद बाजवा ने एक साक्षात्कार में यह कबूल किया है कि भारत के विरुद्ध रिवायती किस्म का युद्ध लड़ने के लिए पाकिस्तान पूरी तरह सुसज्जित नहीं है, ऐसे में व्यग्र पाकिस्तानी प्रतिष्ठान के पास भारत को नश्तर चुभाने की खातिर वास्तविक सीमा रेखा के पार आतंकी हमले बढ़ाने का विकल्प बचता है।

किसी राष्ट्र के लिए, उसके खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय और सीमा पार से चलाए जा रहे आतंक को नेस्तनाबूद करने के लिए हवाई हमले करना एक प्राथमिक विकल्प है एक तरह से रामबाण जैसा। आतंकवादी तत्वों के विरुद्ध मारकशक्ति लैस इस महत्वपूर्ण राह को चुनने में भारत की हिचक शायद इस सोच के कारण रही कि कहीं इससे मौजूदा संघर्ष और न भड़क जाए। लेकिन यही दुविधा आतंकरोधी आधुनिक हवाई हमले अभियानों के लिए भारत में विशेष बल और मानवरहित लक्ष्यभेदन हवाई क्षमता बनाने की तगड़ी पैरवी भी करती है। ऐसा करना एक समांतर रणनीतिक एवं राजनीतिक सैन्य संकेत होगा। वर्ष 2019 में पुलवामा हमले के चंद दिनों बाद बालाकोट के आतंकी शिविर पर किया गया प्रभावशाली हमला कड़ा संदेश देने का एक उदाहरण है। सीधे युद्ध से इतर सैन्य अभियानों वाली योजना, जैसे कि मनोवैज्ञानिक अभियान और साइबर युद्ध जैसे युक्तिपूर्ण विकल्पों से आतंकरोधी अभियानों में परिणाम पाया जा सकता है। आयुध की बढ़ी भेदन क्षमता और विरोधियों की तरंगों से जाम न होने या राह भटकाऊ रोधी तकनीकों से लैस मानव रहित वायुयानों के जरिए निश्चित मारक क्षमता में सुधार हो सकता है। साथ ही, नवीन इलेक्ट्रॉनिक्स खुफिया-टोही तकनीकों से लक्ष्य भेदन में वांछित परिणाम मिलने की संभावना अधिक हो जाती है।

यह हालात पर निर्भर करता कि निशाने पर रखे आतंकी को मार गिराने में हवाई हमला लड़ाकू हवाई जहाज के जरिए हो या आक्रमण हेलिकॉप्टर या फिर ड्रोन से। इसके अलावा इन तरीकों में लक्ष्य के आसपास के इलाके में तबाही सीमित रखने का फायदा है, खासकर एकदम अड़ोस-पड़ोस में जानमाल को नुकसान न पहुंचने देना जरूरी हो। अंधेरे में देखने वाले उपकरणों की कार्यक्षमता में सुधार और दागे गए बम से स्व-क्षति बचाऊ तकनीक आने से लक्षित आतंकी को मार गिराने में आगे मदद मिली है। आक्रामक और निरंतर अभ्यास करना महत्वपूर्ण है ताकि इस भूमिका के लिए विशेष तौर पर चुने गए लड़ाकू पायलट और सहयोगियों से सज्जित एक सुयोग्य टीम हरदम तैयार रहे। कहने की जरूरत नहीं कि वक्त रहते निर्णय लेना एवं राजनीतिक इच्छाशक्ति से वांछित परिणाम मिलते हैं।

इतिहास और प्रकृति की नजदीकी है पसंद तो जाएं शहर

जांगलदेश

इन गर्मियों की छुट्टियों में अगर आप कहीं घूमने जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको अपनी मंजिल चुनने से पहले कुछ बातों पर गौर जरूर करना चाहिए। ऐसे में अगर आपको इतिहास, प्राकृतिक विविधता और खूबसूरती भरे नजारे देखने हैं, तो ऐसी एक बहुत ही शानदार जगह है। जिसका नाम है, नागौर, जो देश के सबसे बड़े खारे पानी वाली झील का शहर है। उत्तर में चूरू, उत्तर पश्चिम में बीकानेर और पूर्वोत्तर में सीकर जिले से घिरे नागौर के दक्षिण में पाली और पश्चिम व दक्षिण पश्चिम में जोधपुर हैं। इसके अलावा पूर्व में जयपुर व दक्षिण पूर्व में अजमेर है। नागौर जिले के दक्षिण पूर्व में खूबसूरत अरावली श्रृंखला है, जबकि दक्षिण पश्चिम में भारत की सबसे बड़ी खारे पानी वाली सांभर झील है। राजस्थान के बीच में स्थित नागौर को महाभारत काल में जांगलदेश के नाम से पुकारा जाता था। मुगल बादशाह शाहजहां ने राजा अमर सिंह राठौर को यह भेंट के रूप में दिया था और यह थार रेगिस्तान में फैला हुआ है।

खींवसर किला

इस किले के बारे में माना जाता है कि इसे भी द्वितीय शताब्दी में नागवंश शासक ने निर्मित करवाया गया था। इस किले के आसपास काले हिरण घूमते नजर आ जाते हैं।

नागौर किला

राजपूत और मुग़ल स्थापत्य कला के बेहतरीन नमूने के रूप में मौजूद नागौर के किले के बारे माना जाता है इसे द्वितीय शताब्दी में नाग राजवंश शासक द्वारा निर्मित करवाया गया था। इसके बाद 12वीं शताब्दी में पुनर्निर्माण हुआ। तमाम लड़ाइयों का साक्षी यह किला उत्तर भारत के पहले मुग़ल गढ़ों में से एक होने के नाते राजपूत-मुग़ल स्थापत्य शैली का शानदार उदाहरण है। वर्ष 2007 में यहां फव्वारे और खूबसूरत उद्यान के साथ पुनर्निर्माण हुआ और इसकी चमक में चार चांद लग गए। यह सूफी संगीत उत्सव के आयोजन के लिए मशहूर है।

खाटू

पृथ्वीराज रासो के मुताबिक खाटू का नाम 'खटवन' था और अब प्राचीन खाटू तकरीबन समाप्त हो चुका है। अब 'बड़ी खाटू' और छोटी खाटू' नामक दो गांव हैं। छोटी खाटू में पृथ्वीराज चौहान द्वारा पहाड़ी पर बनवाए गए एक छोटे किले के अवशेष बचे हुए हैं। यहां 'फूल बावड़ी' है, जिसके बारे में मान्यता है कि इसे गुर्जर-प्रतिहार काल के दौरान निर्मित किया गया था और यह वास्तुकला का अद्भुत कलात्मक नमूना है।

बड़े पीर साहब दरगाह

मशहूर पवित्र स्थान होने के चलते बड़े पीर साहब की दरगाह को 17 अप्रैल 2008 को बतौर संग्रहालय के रूप में भी खोल दिया गया। यहां मशहूर क़ुरान शरीफ है, जिसे हजरत सैयद सैफुद्दीन अब्दुल जीलानी ने सुनहरी स्याही में लिखा था। इसके साथ उनकी छड़ी, पगड़ी/टोपी के साथ ऐतिहासिक महत्व की तमाम चीजें भी मौजूद हैं। यहां 1805 तक के प्राचीन भारतीय सिक्के, अब्राहम लिंकन की छवि वाले अमेरिकी सिक्के भी मौजूद हैं।

कुचामन शहर

यहां बनी हवेलियां अपने शानदार वास्तुशिल्प के चलते शेखावाटी की हवेलियों से मिलती-जुलती दिखती हैं। यहां का सबसे महत्वपूर्ण कुचामन किला बहुत मशहूर है और दूर-दूर से लोग इसे देखने आते हैं। एक खड़ी पहाड़ी की चोटी पर बना यह राजस्थान का सबसे प्राचीन और दुर्गम किला है। इसके भीतर अपने आप में शानदार जल संचयन तकनीक, खूबसूरत महल के साथ अद्भुत भित्ति चित्र सैलानियों को काफी आकर्षित करते हैं। यहां पर जोधपुर के शासक की सोने-चांदी के सिक्कों की टकसालें भी मौजूद थीं। इस किले से ना केवल शहर बल्कि झील का मनोरम दृश्य और शहर के पुराने मंदिर, जाव की बावड़ी और खूबसूरत हवेली भी आसानी देखी जा सकती है।

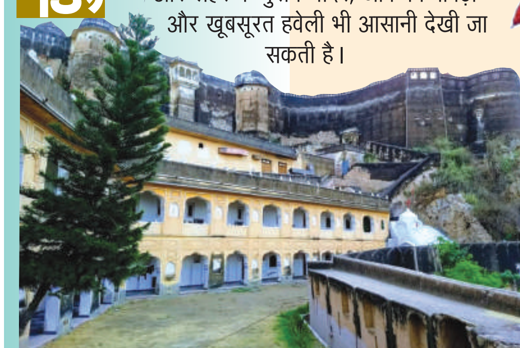

झोरड़ा गांव

नागौर का झोरड़ा एक छोटा गांव है और कवि 'कानदानकल्पित' तथा प्रसिद्ध सूफी संत 'बाबा हरिराम' की जन्मस्थली है और इसके मशहूर होने की भी वजह है। हर साल भाद्रपद की चतुर्थी-पंचमी को सालाना मेला लगता है, जिसमें दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और उत्तर प्रदेश समेत अन्य स्थानों के लोग आते हैं।

हंसना मना है

एक यात्री ने स्टेशन मास्टर से पूछा- क्या मैं यहां एक सिगरेट पी सकता हूं? स्टेशन मास्टर बोला- नहीं यहां सिगरेट पीना सख्त मना है। यात्री- फिर यहां इतने सिगरेट के टुकड़े कैसे पड़े हैं? स्टेशन मास्टर- ये उन लोगों ने फेंके हैं जो पूछते नहीं है।

एक मुर्गा मालिक को खिड़की से बैठा देख रहा था। मालिक बहुत बीमार था, मालिक की पत्नी उसके बगल में बैठी थी। पत्नी बोली- आपको बहुत तेज बुखार है, मैं आपके लिए चिकन सूप बना लाती हूं। इतना सुनते ही मुर्गे के तोते उड़ गये, मुर्गा बोला- बहन जी। एक बार 'पेरासिटामोल' दे कर भी देख लो।

अगर किसी लड़की को उसकी मर्जी के खिलाफ आई लव यू बोलना गलत है तो किसी लड़के को उसकी मर्जी के खिलाफ भैया बोलना भी गलत है..

एक आदमी की एक टांग की हड्डी टूट गयी। वो हॉस्पिटल गया तो देखा कि वहां एक आदमी की दोनों टांगें टूटी हुई हैं। तो वो उसको देखकर बोला कि आपकी दो पत्नियां हैं क्या?

कहानी — लालची मत बनो

एक बार की बात है एक जंगल में एक शेर रहता था। एक दिन शेर को बहुत जोर की भूख लगी थी। वह खाने की तलाश में जंगल में कई दिनों से भटक रहा था पर उसे शिकार नहीं मिल रहा था। एक दिन उसे जंगल में एक छोटा सा खरगोश दिखा। खरगोश के देख के शेर उसपे टूट पड़ा और उसे पकड़ लिया। शेर सोचने लगा इतने दिनों से भूखा हूं चलो इस खरगोश से ही काम चलाया जाए और अपनी भूख थोड़ी तो कम होगी शेर जैसे ही उसे खाने वाला था तभी उसे हिरण दिखाई दिया। अब शेर सोचने लगा कि लगता है आज काफी अच्छा दिन है जिससे कई शिकार मुझे आज दिख रहे हैं। मै आज इस हिरण को ही खाऊंगा जिससे मेरा पेट भी भर जायेगा। अब शेर ने खरगोश को छोड़ दिया और हिरण के पीछे दौड़ा लेकिन देखते ही देखते हिरण भी वहां से गायब हो गया। और अब शेर को फिर से भूखे रहना पड़ा क्यों की खरगोश भी अब वहां से जा चूका था।

कहानी से सीख- इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि ज्यादा लालच करने से कुछ नहीं मिलता जितना है उसी में हमें संतोष करना चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आज मन आध्यात्म में अधिक लगा रहेगा। आप मांगलिक कार्यक्रमों की तैयारी में व्यस्त रहेंगे। किसी दोस्त से मुलाकात आपके लिए फायदेमंद हो सकती है।

वृषभ — विदेशी व्यापार संबंधित सौदों के अंतिम रूप देने के लिए यात्रा की योजना फिर से शुरू होगी। आपको अपने विदेशी संपर्कों से लाभ प्राप्त होने की प्रबल संभावना है।

मिथुन — आज का दिन खुशियां लेकर आया है ।आज मानसिक रूप से प्रसन्नता बनी रहेगी। प्रतिस्पर्धियों पर विजय प्राप्त होगी। यात्रा और निवेश लाभ देने वाले हो सकता है।

कर्क — चिकित्सा और व्यर्थ व्यय आपके बजट को असंतुलित कर सकतें हैं। आपके परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य काफी चिंता का कारण हो सकता है।

सिंह — आज का दिन शानदार रहने वाला है। रचनात्मक शौक़ आज आपको सुक़ून का एहसास कराएंगे। आज आपकी रचनाओं की लोग तारीफ करेंगे।

कन्या — व्यावसायिक और आर्थिक सन्दर्भ में आज आप कुछ निराशा का अनुभव कर सकतें हैं। आपके दुश्मन आपके लिए मुसीबतें खड़ी कर सकते हैं।

तुला — आज का दिन उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा। भविष्य के लिए योजनायें बनाने के लिए आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा। आपको सैलरी में बढ़ोत्तरी भी मिल सकती है।

वृश्चिक — शिक्षण से जुड़े जातकों की अच्छी प्रगति संभव है। रुचि के विषयों में आपका ज्ञान बढ़ेगा। आपकी आमदनी बढ़ेगी, जबकि आपके खर्च घटेंगे।

धनु — आज का दिन महत्वपूर्ण रहने वाला है। आज आपका आकर्षक स्वाभाव दूसरों का ध्यान आपकी ओर खीचेगा। आज कोर्ट कचहरी में चल रहे मुकदमों का हल निकलेगा।

मकर — आपको बहुत सावधान और सतर्क रहना पड़ेगा। आपकी सेहत बिगड़ सकती है और आप खुद को विपरीत परिस्थितियों में पा सकते हैं। आर्थिक पक्ष में समय अनुकूल नहीं है।

कुम्भ — आज किस्मत आपके साथ रहेगी। आज आप कुछ ऐसे कामों को करने के लिए तैयार रहेंगे, जिन्हें करके आप खुद के बारे में अच्छा महसूस करेंगे।

मीन — धन हानि के कारण परिवारिक सदस्यों के साथ वाद-विवाद हो सकता है। इसलिए आपको हर संभव सतर्कता एवं सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

‘नीयत’ का दमदार टीजर रिलीज

मर्डर मिस्ट्री सुलझाने निकलीं विद्या बालन

विद्या बालन अपनी बेहतरीन अदाकारी के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने पिछली कुछ फिल्मों में साबित किया है एक हिट के लिए उन्हें किसी हीरो की जरूरत नहीं है। कई फिल्मों में धमाल मचाने के बाद अब एक बार फिर से विद्या एक बड़ा प्रोजेक्ट लेकर दर्शकों के सामने हाजिर हो रही है। जल्द ही उन्हें नीयत टाइटल से बन रही फिल्म में देखा जाने वाला है, जिसका ऐलान फिल्म के टीजर के साथ किया गया है।

अनु मेनन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सस्पेंस-थ्रिलर कहानी दिखाई जाएगी। फिल्म में विद्या को जासूस मीरा राव का किरदार पर्दे पर उतारते हुए देखा जा रहा है, जो एक मर्डर मिस्ट्री को सॉल्व करती आएंगी। अब फिल्म का दमदार टीजर जारी करते हुए इसके लिए उत्सुकता काफी बढ़ा दी है, जो अब खूब वायरल भी हो रहा है।

दिलचस्प है फिल्म का टीजर

टीजर में एक तूफानी रात का मंजर देखने को मिल रहा है। इसमें वॉइसओवर चल रहा है, संदिग्ध आ रहे हैं, मकसद बन रहे हैं, तैयार हो जाओ, एक सीक्रेट आ रहा है। इसके बाद विद्या के लुक की झलक देखने को मिलती है। यहीं एक्ट्रेस काफी अलग नजर आ रही हैं। खैर, फिल्म में आखिर मुद्दे पर बात चल रही है इसका थोड़ा-बहुत अंदाजा तो ट्रेलर के साथ चल जाएगा। कहा जा रहा है कि नीयत का ट्रेलर गुरुवार को रिलीज होने वाला है।

भोजपुरी मसाला

फिल्म में दिखेंगे ये कलाकार

फिल्म के टीजर को काफी पसंद किया जा रहा है। वहीं, कुछ लोगों ने कयास लगाते हुए कहा है कि नीयत हॉलीवुड फिल्म नाइव्स आउट की हिन्दी रीमेक है। हालांकि, फिलहाल इस पर आधिकारिक तौर पर कोई पुष्टि नहीं हुई है। बता दें कि फिल्म में विद्या बालन के अलावा राम कपूर और राहुल बोस भी नजर आने वाले हैं। नीयत 7 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

बॉलीवुड | मन की बात

जिस दिन मैं संतुष्टि महसूस करूंगा उस दिन एक्टिंग छोड़ दूंगा : मनोज

मनोज बाजपेयी हिंदी सिनेमा में लगभग तीन दशक से सक्रिय हैं। हर उम्र के लोग उनकी एक्टिंग के दीवाने हैं। उन्होंने अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्में दी हैं। गैंग्स ऑफ वासेपुर, गुलमोहर, सत्या, जैसी कल्ट फिल्मों से उन्होंने एक अलग मुकाम हासिल किया है। वहीं अभिनेता ने फैमली मैन जैसी फिल्म से ओटीटी पर भी अपनी धाक जमाई है। इस बीच उन्होंने अपने रिटायमेंट को लेकर बड़ा खुलासा किया है। हाल ही में मनोज बाजपेयी ने मीडिया को एक इंटरव्यू दिया। इस इंटरव्यू में एक्टर ने अपने रिटायरमेंट प्लान को लेकर बात की है। एक्टर ने कहा कि सन्यास लेने के बाद वह मुंबई में नहीं रहना चाहते हैं। एक्टर के कहा कि वह पहले ही पहाड़ों में जगह ले चुके हैं। वहीं पर एक छोटा सा घर बना कर अपना बुढ़ापा बिताना चाहते हैं। अभिनेता ने इससे पहले अपने रिटायरमेंट प्लान को लेकर इशारा कर चुके हैं। उन्होंने कहा था कि जिस दिन मैं संतुष्टि महसूस करूंगा, उस दिन एक्टिंग छोड़कर संन्यास ले लूंगा। लेकिन जबतक ऐसा नहीं होता है, तब तक वह केवल अपना काम करने के लिए एक्साइटेड रहेंगे जिसके लिए वह पैशनेट हैं। कई बार एक्टर के राजनीति में आने के कयास लगाए जा चुके हैं। इस मुद्दे पर बात करते हुए एक्टर ने कहा कि वह कभी राजनीति नहीं करेंगे। मनोज बिहार में पश्चिमी चंपारण जिले के बेलवा गांव के रहने वाले हैं। बता दें कि पिछले साल सितंबर में अपने बिहार दौरे के दौरान उन्होंने लालू प्रसाद से मुलाकात की थी। इसके बाद उनके राजनीति में आने की अटकलें लगने लगीं थी।

फिर रांझणा बनने को तैयार धनुष

धनुष एक बार फिर से हिन्दी दर्शकों पर अपनी अदाकारी का जादू चलाने के लिए आ रहे हैं। इस बार वह जिस प्रोजेक्ट को पेश करने जा रहे हैं, उसे जानने के बाद लोगों के लिए उनकी फिल्म का इंतजार कर पाना मुश्किल हो जाएगा। दरअसल, जल्द ही धनुष को अपनी सुपरहिट फिल्म रांझणा के सीक्वेल तेरे इश्क में देखा जाने वाला है। साल 2013 में रिलीज हुई फिल्म रांझणा ऐसी सुपरहिट हुई कि आज भी दर्शकों के जेहन में इसकी यादें ताजा हैं। अब 21 जून को फिल्म की रिलीज को 10 साल पूरे हो चुके हैं। इस खास मौके पर धनुष और डायरेक्टर आनंद एल राय ने एक बार फिर से हाथ मिला लिया है। अपनी इस फिल्म के बारे में ऐलान करते हुए राय ने धनुष के किरदार को रांझणा के कुंदन से कनेक्ट किया है। अब आनंद ने अपनी इस फिल्म के बारे में जानकारी देते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है, जिसमें धनुष के किरदार की झलक देखने को मिल रही है, जो कुंदन से बिल्कुल विपरीत दिख रहा है। वीडियो में धनुष लंबे बाल और बढ़ी हुआ दाढ़ी वाले लुक में नजर आ रहे हैं। यहां वह एक अंधेरी रात में हाथ में जलती हुई बोतल लेकर काफी गुस्से में दौड़ रहे हैं।

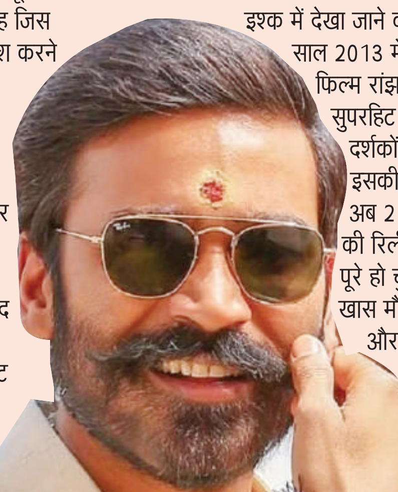

धनुष के अंदाज ने बढ़ाई उत्सुकता

वीडियो में धनुष का एक छोटा सा इंट्रो दिया गया है, जिसमें बताया कि उनके किरदार का नाम शंकर है। साथ ही इसमें वॉइसओवर चल रहा है, तेरे हाथ की मेहंदी मुझ पर चोट बनकर उभर आती है। तेरे माथे की बिंदी मेरे हाथों की लकीरें खा जाती है। अपनी मांग के सिंदूर से क्या हर बार मेरी सांस, मेरी धड़कनों को टोकोगे। पिछली बार तो कुंदन था मान गया पर इस बार शंकर को कैसे रोकोगे।

150 साल पुराना है ये पेड़, 1990 से अब तक लगातार निकल रहा है पानी

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि एक पेड़ से लगातार पानी बह रहा है। ऐसा लग रहा है कि ये पेड़ नहीं बल्कि को नलकूप है। इस वीडियो को देखने के बाद लोग पूरी तरह से हैरान हो रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर इस वीडियो को शेयर किया गया है। ख़बर लिखे जाने तक इस वीडियो को 12 लाख लोग देख चुके हैं। इस वीडियो को देखने के बाद सोशल मीडिया यूज़र्स हैरान हो रहे हैं। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे 150 साल पुराने पेड़ से पानी निकल रहा है। ये लगातार 1990 से ऐसे ही बहे जा रहा है। ऐसा लग रहा है कि इसमें नलकूप या कोई मोटर लगा हुआ है। सोशल मीडिया पर इस वीडियो को देखने के बाद लोग पूरी तरह से हैरान हो रहे हैं। वायरल हो रहे इस वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर शेयर किया गया है। इस वीडियो को 12 लाख से ज्यादा व्यूज़ मिल चुके हैं। वहीं इस वीडियो पर कई लोगों के कमेंट्स भी देखने को मिल रहे हैं। एक यूज़र ने कमेंट करते हुए लिखा है- जमीन के अंदर से एक रिसाव हो रहा है, जिससे पेड़ से पानी निकल रहा है। अमूमन कई जगह इस तरह के मामले देखे गए हैं। यह शहतूत का पेड़ है, जो 1990 से लगातार पानी दे रहा है। इस वीडियो को देखने के बाद लोग पानी निकलने के कई कारण दे रहे हैं।

अजब-गजब | रोंगटे खड़े कर देने वाला इतिहास

ये है भुतहा द्वीप! यहां जिंदा जला दिए जाते थे लाखों लोग

भूत-प्रेत पर यकीन मानना है या नहीं, ये लोगों की अपनी मान्यताओं पर निर्भर करता है, पर दुनिया में ऐसी बहुत सी जगहें हैं जिसे भूतिया माना जाता है और लोगों का दावा है कि वहां प्रेत आत्माओं का वास है। आज हम आपको दुनिया के सबसे भुतहे आइलैंड के बारे में बताने जा रहे हैं। ये इटली में मौजूद है और यहां भूत हैं या नहीं, ये तो हम दावा नहीं करते, पर यहां का इतिहास बेहद खौफनाक है, जिसके बारे में जानकर आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे।

एस्केप वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार उत्तरी इटली के वेनिस और लीडो के बीच एक आइलैंड है जिसका नाम है पोवेगलिया द्वीप। इस दुनिया का सबसे डरावना आइलैंड माना जाता है। इसे आइलैंड ऑफ घोस्ट यानी भूतों का आइलैंड भी कहते हैं। इसका इतिहास काफी पुराना है। 421 एडी के दौरान जब आक्रमणकारी इटली पर हमला करते थे, तब लोग यहां अपनी जान बचाने के लिए भाग आते थे। उस दौरान यहां सैकड़ों लोगों को मौत के घाट उतारा गया। इस कारण यहां से धीरे-धीरे कल आबादी भी गायब होती गई और एक वक्त ऐसा आया कि यहां कोई नहीं रहता था। प्लेग के दौरान यहां मरने आते थे लोग!

1300 के दौरान जब यूरोप में प्लेग महामारी फैली, तब इस जगह को डंपिंग आइलैंड बना दिया गया। जो लोग प्लेग से संक्रमित होते थे, या फिर उनकी मौत प्लेग से हो जाती थी, उन लोगों को यहां पर लाकर डंप कर दिया जाता था। बहुत से लोग यहां प्लेग से बचने के लिए लिए, और सेल्फ आइसोलेशन के लिए आ जाते थे। कोरोना महामारी के दौरान भी आपने सेल्फ आइसोलेशन का फायदा देखा होगा, जिससे महामारी को कम करने में मदद मिली। पर जैसे ही आइलैंड पर मौजूद लोगों में से किसी के भी अंदर प्लेग के लक्षण दिखते थे, उसको मौत के घाट उतार दिया जाता था! ब्लैक डेथ (प्लेग) से बचने के लिए यहां कई लोगों के साथ ऐसा किया गया। लोगों को यहां जिंदा जला दिया जाता था।

अब ये आइलैंड पर्यटकों या लोकल लोगों के लिए पूरी तरह से बंद है। रिपोर्ट्स की मानें तो

यहां करीब 1.6 लाख लोगों को प्लेग के दौरान दफनाया गया था। माना जाता है कि आज भी इस आइलैंड की मिट्टी में 50 फीसदी इंसानी अंश मिला है। पर आइलैंड की कहानी यहीं नहीं खत्म होती है। 1800 और 1900 के दौर में, इस आइलैंड पर एक पागलखाना और पागलों के लिए अस्पताल बनाया गया था। The Poveglia Asylum में डॉक्टर इतने सनकी थे कि वो लोगों पर बेहद खतरनाक और अजीबोगरीब एक्सपेरिमेंट किया करते थे। उनकी भी मौत के बाद यहां उन्हें दफना देते थे।

बीते कुछ सालों में, सरकार ने इस आइलैंड को फिर से बनाने का काम चालू करने की कोशिश की, मगर यहां कुछ ऐसी घटनाएं घट जाती हैं कि कोई भी व्यक्ति ज्यादा दिन यहां टिक नहीं पाता। लोगों ने यहां पहुंचकर नकारात्मक ऊर्जा महसूस करने का दावा किया है। इसके अलावा जो मछुआरे, आइलैंड के पास शिकार करते हैं, उन्होंने भी दावा किया है कि रात के वक्त आइलैंड में उन्होंने रहस्यमयी चीजें देखी हैं।

भोपाल में पूर्व सीएम कमलनाथ के पोस्टर पर भड़की कांग्रेस

भाजपा ने जता दिया कि वह राजनीति के कितने भी निचले स्तर पर जा सकती है : पीयूष बबेले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में इसी साल के अंत में विधानसभा चुनाव है। इससे पहले प्रदेश में सियासी पारा भी चढ़ता जा रहा है। भोपाल में पूर्व सीएम और पीसीसी चीफ कमलनाथ के आपत्तिजनक पोस्टर लगाए गए है। इसमें कमलनाथ को वांटेड और करप्शन नाथ बताया गया है। कांग्रेस ने इसे भाजपा की चाल बताया है। इस पर कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा ने भाजपा को घेरते हुए कहा कि उसका असली चेहरा सामने आ गया।

राजधानी भोपाल के मनीषा मार्केट समेत कुछ चौराहों पर कमलनाथ के पोस्टर लगे है। इन पोस्टर में स्कैम से बचने स्कैन करें लिखा है। वहीं, कुछ पोस्टर में घोटाले गिनाए गए है। इसमें लिखा है कि 25 हजा करोड़ का किसान कर्जमाफी किसने किया? 24 हजार करोड़ का हेलीकॉप्टर घोटाला किसने किया? 1178 करोड़ का गेंहू बोनस घोटाला किसने किया? इस तरह खाद घोटाला, सीडी घोटाला, मोबाइल घोटाले का जिक्र कर आगे करप्शन नाथ लिखा है।

इस मामले में कमलनाथ के मीडिया सलाहकार पीयूष बबेले ने सोशल मीडिया पर लिखा कि आदरणीय कमलनाथ के आपत्तिजनक पोस्टर लगवाकर भाजपा ने दिखा दिया है कि वह राजनीति के कितने भी निचले स्तर पर जा सकती है। जिस व्यक्ति ने पिछले 44 साल से अपने खून पसीने से मध्यप्रदेश की माटी की सेवा की है और रात दिन प्रदेश के नव निर्माण के लिए तपस्या की है, उसकी छवि बिगाड़ने की कोशिश मध्य प्रदेश की अस्मिता पर हमला है। यह मध्यप्रदेश का अपमान है। यह प्रदेश की सेवा का अपमान है। यह स्वर्णिम मध्यप्रदेश बनाने के लक्ष्य का अपमान है। यह उन करोड़ों लोगों का अपमान है जिनके हृदय में कमलनाथ जी बसते हैं।

महाकाल लोक घोटाले को लेकर कल प्रदर्शन

प्रदेश में चुनाव से पहले कांग्रेस भाजपा को घोटाले और भ्रष्टाचार पर घेरने की रणनीति पर काम कर रही है। इसके तहत प्रदेश के सभी जिलों में 24 जून को प्रदेश व्यापी धरना-प्रदर्शन करने जा रही है। इसमें कांग्रेस भाजपा सरकार को महाकाल लोक में भ्रष्टाचार, सतपुड़ा भवन में आग, बिजली कटौती, प्रदेश में व्याप्त भ्रष्टाचार, महंगाई, गैस सिलिंडर, पेट्रोल-डीजल, बेरोजगारी, महिलाओं, किसानों, अबोध बालिकाओं पर अत्याचार सहित अन्य मुद्दे उठा कर घेरेगी।

हम भी छोड़ेंगे नहीं : केके मिश्रा

कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा ने कहा कि जैसे जैसे चुनाव नजदीक आ रहे है, भारतीय जनता पार्टी अपने वास्तविक चरित्र को प्रदर्शित करने के लिए अमादा हो चुकी है। हमारे नेता कमलनाथ को लेकर भाजपा ने एक पोस्टर अभियान भाजपा ने चलाया है। हमें उसकी चिंता नहीं है। क्योंकि हमारे नेता प्रदेश की जनता के दिलों में विराजित है। मिश्रा ने भाजपा को चेतावनी देते हुए कहा कि हमारे पास भाजपा के भ्रष्टों के खिलाफ प्रमाणिक आरोपों का भंडार है। वह लोग जवाब देते देते थक जाएंगे और चुनाव निकल जाएगा। हमें छेड़े ना नहीं तो हम छोडेंगे नहीं।

बंगाल निर्वाचन आयोग ने मांगी केंद्रीय बलों की 800 कंपनियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पश्चिम बंगाल में केंद्रीय बलों की तैनाती शुरू हो गई है। राज्य निर्वाचन आयोग की मांग पर केंद्रीय बलों की 22 कंपनियों की तैनाती की मांग की गई थी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केंद्रीय बलों की 315 कंपनियों की तुरंत तैनाती के भी आदेश जारी कर दिए हैं।

गुरुवार को राज्य निर्वाचन आयोग ने गृह मंत्रालय से केंद्रीय बलों की 800 कंपनियों की मांग की है ताकि राज्य के सभी जिलों में इनकी तैनाती की जा सके। बता दें कि पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव के लिए 8 जुलाई को मतदान होगा। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद राज्य निर्वाचन आयोग ने केंद्रीय बलों की महज 22 कंपनियों की मांग की। 2013 के पंचायत चुनाव में 82 हजार केंद्रीय पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। इस तरह राज्य निर्वाचन आयोग ने इस बार महज करीब 1700 केंद्रीय पुलिसकर्मियों की ही मांग की, जिसे अदालत ने पूरी तरह से अपर्याप्त बताया।

फोटो :4 पीएम

पुण्यतिथि सिविल अस्पताल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। इस अवसर पर उनके साथ उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक भी मौजूद रहे।

धीरे-धीरे गर्मी के तेवर पड़ रहे ढीले

» शनिवार तक मानसून के आने के आसार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। धीरे-धीरे गर्मी पर बारिश की फुहारें पड़ना शुरू हो गई हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, शुक्रवार को बारिश कम रहेगी, लेकिन अगले दिन फिर इसकी तीव्रता व क्षेत्र बढ़ेगा। शनिवार तक मानसून के आ जाने के आसार बन रहे हैं। जून का महीना जाते-जाते राहत देकर जा रहा है। धीरे-धीरे पारे के तेवर कम होते जा रहे हैं।

बृहस्पतिवार को भी अधिकतम तापमान में गिरावट आई और यह 32..5 डिग्री दर्ज हुआ। रात का तापमान लगभग समान रहा। बुधवार को अधिकतम तापमान 33..8 डिग्री था। वहीं बारिश का सिलसिला भी जारी रहा। बुधवार रात से बृहस्पतिवार की सुबह तक 4 मिमी बारिश रिकार्ड हुई। बृहस्पतिवार सुबह की शुरुआत बादलों के साथ हुई, लेकिन फिर देखते ही देखते तेज धूप खिल उठी। इसी के साथ नमी ने उमस बढ़ा दी। बादल व धूप की लुकाछिपी तो चलती रही, लेकिन उमस से लोग बेहाल रहे। लखनऊ में इस अवधि में 22..3 मिमी बारिश रिकार्ड की गई है। यह सामान्य से 51 फीसदी कम है। इस अवधि में बारिश का समान्य औसत 45..2 मिमी है। ऐसे में बीते वर्षों में हुई बरसात के आंकड़े देखें तो 2017 में एक दिन में 111..2 मिमी बारिश का रिकार्ड दर्ज है। 2013 में 61..7, 2015 में 55..8 मिमी बरसात अधिकतम रिकॉर्ड हो चुकी है।बीते दिन गर्मी की तीव्रता, बारिश की धीमी रफ्तार को देखते हुए अनुमान लगाना मुश्किल है कि कितनी अधिक बरसात हो सकेगी।

धोनी सबसे अलग कप्तान थे : आर. अश्विन

» कप्तान रोहित और कोच द्रविड़ को सुनाई खरी-खरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल गंवाए भले ही कई हफ्ते हो चुके हैं, लेकिन इसकी टीस प्लेयर्स के दिलों में अबतक कसक कायम है। खासतौर पर रविचंद्रन अश्विन, जिन्हें पहले टीम मैनेजमेंट ने प्लेइंग इलेवन से बाहर किया और फिर उन्हें भारत को 209 रन से करारी शिकस्त झेलते भी देखा गया। इस हार के साथ भारत का आईसीसी ट्रॉफी जीतने का इंतजार और लंबा हो गया।

अब अश्विन ने एक इंटरव्यू में कप्तान रोहित शर्मा, हेड कोच राहुल द्रविड़ और पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी पर कमेंट किया है। बीते दो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकल से भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले रविचंद्रन अश्विन ने कुल 61 शिकार किए हैं। यूट्यूब चैनल शो पर अश्विन ने पैट कमिंस की तारीफ करते हुए कहा, बधाई ऑस्ट्रेलिया! यह एक जबरदस्त फाइनल था। लाबुशेन लगातार काउंटी क्रिकेट खेल रहे थे, यह भी कंगारुओं के पक्ष में गया।

सोशल मीडिया पर मिला समर्थन

इसके बाद अश्विन ने भारतीय टीम पर आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को खत्म करने का एक और मौका गंवाने को लेकर सोशल मीडिया पर आ रही प्रतिक्रियाओं पर बात की, जहां ज्यादातर लोग धोनी पर पोस्ट कर रहे थे, जिन्होंने भारत को तीन आईसीसी ट्रॉफी जिताई थी। 36 वर्षीय खिलाड़ी ने बताया कि धोनी की सफलता के पीछे का कारण चुनी गई टीम में खिलाड़ियों को दी गई सुरक्षा की भावना थी। दो सप्ताह में यह दूसरी बार है जब अश्विन ने किसी खिलाड़ी के मन में सुरक्षा की भावना पैदा करने के महत्व पर बात की। उन्होंने कहा, मुझे प्रशंसकों से सहानुभूति है, लेकिन कोई खिलाड़ी रातों-रात नहीं बदलता। हममें से बहुत से लोग एमएस धोनी के नेतृत्व के बारे में बात करते हैं। उसने क्या किया? उन्होंने चीजों को काफी सरल रखा। मैंने माही की कप्तानी में कई साल खेला। वह 15 की एक टीम चुनते थे। फिर उन्हीं 15 को अगले स्क्वॉड में भी मौका देते थे। उनकी एक ही प्लेइंग इलेवन साल भर खेलती थी। एक खिलाड़ी के लिए सुरक्षा की भावना बहुत महत्वपूर्ण है।

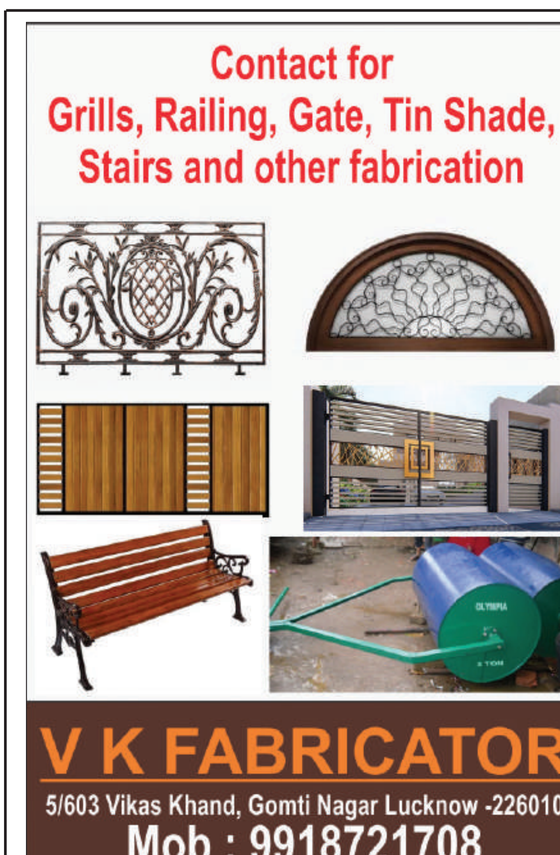

तबादला नीति जाए भाड़ में, मैं तो यहीं रहूंगा!

एक अधिकारी जो 15 साल से लगा रहा नगर निगम को चूना, जमकर हो रहा भ्रष्टाचार, जिम्मेदार की आंख बंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ का नगर निगम हमेशा सुर्खियों में बना रहता है फिर चाहे घोटालों को लेकर हो या बात साफ-सफाई को लेकर। इसके अतिरिक्त एक और मामले के लिए भी नगर निगम कुख्यात है वह है अधिकारियों के भ्रष्टचार के लिए।

उस पर से उनको हटाने वाला कोई नहीं है वह यहां पर सालों से जमें हुए हैं। ये ऐसे अधिकारी हैं जो कुर्सियों से फेविकोल की तरह चिपक गए हैं। फेविकोल इतना मजबूत है कि कुर्सी से मोह खत्म ही नहीं हो रहा है। अशोक सिंह नगर निगम कर अधीक्षक पद पर भी रह चुके है, जोनल भी रह चुके है। जोन 3 के भी जोनल रहे अपनी सेवा का अधिकांश वर्ष नगर निगम लखनऊ में ही बीता दिया। अपने प्रभाव से अपना ट्रांसफर अन्य जगह नही होने देते नगर निगम कर्मचारियों के ट्रांसफर में बड़े खेल करते है मनचाही जगहों पे अपने लाडलों को भेज देतें है। कुछ अधिकारी सालों से नगर निगम में जमे हुए हैं। उनमें अशोक सिंह मुख्य कर निर्धारण अधिकारी किशोरी लाल सहायक अभियंता ,आलोक कुमार विनोद कुमार पाठक,गंगा राम गौतम उद्यान अधीक्षक शामिल हैं।

15 साल से एक ही कुर्सी पर जमा हुआ है अधिकारी

ताजा मामला लखनऊ नगर निगम में तैनात मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह का है जो पिछले लगभग 15 वर्षो से लखनऊ नगर निगम में ही तैनात है नगर निगम में मौजूद कई कर्मचारियों ने सवाल खड़े करते हुए कहा कि छोटे अधिकारी अगर 3 साल हो जाते तत्काल प्रभाव से उन्हें स्थानांतरित कर दिया जाता है लेकिन ऐसी क्या वजह है कि मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह पर नगर निगम शासन प्रशासन की कोई नीति लागू नहीं होती क्या जो उनका स्थानांतरण नगर निगम लखनऊ से होता ही नहीं है सूत्र बताते हैं कि अशोक सिंह नगर निगम लखनऊ में ठाठ से नौकरी कर रहे हैं उन्हें स्थानांतरण पॉलिसी का कोई डर नहीं है।

आखिर अशोक सिंह पर कौन है मेहरबान

सूत्र यह भी बताते हैं कि अशोक सिंह पर कई आला अधिकारियों की मेहरबानी जो ठहरी। इसीलिए 15 वर्षो से नगर निगम लखनऊ की कुर्सियों पर विराजमान है। अब देखना होगा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार कहते हैं कि ट्रांसफर पॉलिसी का सख्ती से पालन कराया जाए। तो माना जाए ट्रांसफर पॉलिसी इस बार नगर निगम लखनऊ में मुख्य कर निर्धारण अधिकारी के पद पर तैनात अशोक सिंह पर लागू होगी या फिर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश भी अशोक सिंह के आगे बौने साबित हो जाएंगे।

भारत में धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं: मोदी

» कहा- सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के सिद्धांत पर चलती है हमारी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाशिंगटन। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि लोकतंत्र हमारी रगों में है और जाति, पंथ एवं धर्म के आधार पर किसी के साथ भेदभाव का कोई सवाल ही नहीं है। पीएम मोदी ने कहा कि हमारी सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के सिद्धांत पर चलती है और भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों में कोई भेदभाव नहीं है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ बैठक के बाद संयुक्त प्रेस वार्ता में अल्पसंख्यकों के अधिकारों से जुड़े एक सवाल के जवाब में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि लोग कहते है नहीं, बल्कि भारत एक लोकतंत्र है और जैसा कि राष्ट्रपति बाइडेन ने कहा है, भारत और अमेरिका दोनों के डीएनए में लोकतंत्र है।

पीएम मोदी ने कहा, ''लोकतंत्र हमारे रगों में है, लोकतंत्र को हम जीते है, हमारे पूर्वजों ने संविधान के रूप में शब्दों में ढाला है, जब हम लोकतंत्र को जीते हैं तब भेदभाव की बात ही नहीं आती, हमारी सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के सिद्धांत पर चलती है। भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों में कोई भेदभाव नहीं है।

महाराष्ट्र में फिर ईडी ने मारा छापा

» आदित्य ठाकरे के करीबी सूरज चावा को समन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुंबई में बीएमसी के कोविड सेंटर घोटाले केस को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का शिकंजा कसता जा रहा है। ईडी की टीम ने शुक्रवार को उद्धव ठाकरे गुट के नेता आदित्य ठाकरे के करीबी सूरज चावा को समन भेजा है। इसमें उन्हें पूछताछ के लिए पेश होने को कहा गया है। इससे पहले ईडी ने सूरज चव्हाण के आवास पर छापेमारी की थी और दस्तावेज बरामद किए थे।

गौरतलब है, एशिया की वैभवशाली बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) में 43 करोड़ के ऑक्सीजन पाइपलाइन घोटाले का पर्दाफाश हुआ। यह घोटाला हिंदुहृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे ट्रामा सेंटर जोगेश्वरी व कूपर हास्पिटल में हुआ है। भाजपा पार्षद व बीएमसी में पार्टी दल के नेता विनोद मिश्र ने आरोप लगाया था कि सत्ताधारी दल की मिलीभगत से यह घोटाला हुआ है।

अध्यादेश पर संसद शुरू होने से पहले लेंगे फैसला: खरगे

» केजरीवाल के अल्टीमेटम पर कांग्रेस का रिएक्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा अध्यादेश का विरोध करना या इसका प्रस्ताव रखना बाहर नहीं होता है, यह संसद में होता है। संसद शुरू होने से पहले, सभी दल तय करते हैं कि उन्हें किन मुद्दों पर मिलकर काम करना है। वे (आप) इसे जानते हैं और यहां तक कि उनके नेता हमारी सर्वदलीय बैठकों में भी आते हैं।

दिल्ली में केंद्र के विवादास्पद अध्यादेश पर आम आदमी पार्टी के अल्टीमेटम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि संसद शुरू होने से पहले निर्णय लिया जाएगा। कांग्रेस प्रमुख ने कहा इसका विरोध करना या इसका प्रस्ताव रखना बाहर नहीं होता है, यह संसद में होता है। संसद शुरू होने से पहले, सभी दल तय करते हैं कि उन्हें किन मुद्दों पर मिलकर काम करना है। मुझे नहीं पता कि बाहर इसके बारे में इतना प्रचार क्यों है। लगभग 18-20 पार्टियाँ मिलकर तय करती हैं कि क्या विरोध करना है और क्या स्वीकार करना है। इसलिए, अभी कुछ भी कहने के बजाय, हम संसद शुरू होने से पहले निर्णय लेंगे। खड़गे की यह टिप्पणी अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली आम आदमी पार्टी के उस बयान के एक दिन बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर कांग्रेस अध्यादेश के खिलाफ लड़ाई में अपना समर्थन देने में विफल रही तो वह आज पटना में विपक्ष की बड़ी बैठक का बहिष्कार करेगी।

कश्मीर में घुसपैठ की कोशिश नाकाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सुरक्षाबलों ने आतंकियों की घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया है। जिले के माच्छिल सेक्टर के काला जंगल में सुरक्षाबलों ने चार आतंकवादियों को मार गिराया है।

» सेना ने चार आतंकी किए ढेर

कश्मीर जोन पुलिस ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से जानकारी देते हुए बताया कि एक संयुक्त ऑपरेशन में सेना और पुलिस ने कुपवाड़ा के माच्छिल सेक्टर के काला जंगल में चार आतंकवादियों को ढेर कर दिया है। आतंकी पीओजेके से भारतीय सीमा की तरफ घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान सुरक्षाबलों ने उन्हें ढेर कर दिया। सुरक्षाबलों ने संबंधित इलाके को घेर लिया है। मौके पर अभी तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, दंपती समेत पांच की मौत

» शाहजहांपुर में भीषण हादसा चार साल की बच्ची भी घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में भीषण सड़क हादसा हुआ है। सेहरामऊ दक्षिणी थाना क्षेत्र के दिलावरपुर गांव के पास हरदोई-शाहजहांपुर हाईवे पर शुक्रवार सुबह करीब पांच बजे अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दंपती समेत पांच की मौत हो गई, जबकि एक बच्ची घायल हो गई। ये सभी एक ही बाइक पर सवार थे। हरदोई के शाहाबाद से घर लौट रहे थे।

जैतीपुर थाना क्षेत्र के गांव सलेमपुर निवासी रघुवीर (28), पत्नी ज्योति (25), बेटा कृष्णा (5) व अभि (3), साली जूली (35) और उसकी बेटी आराध्या (4) के साथ

शाहाबाद के दलेलनगर निवासी श्याम सिंह की बेटी गुड्डी की शादी समारोह में शामिल होने गए थे। शुक्रवार सुबह सभी लोग एक ही बाइक पर सवार होकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान सेहरामऊ दक्षिणी क्षेत्र में अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में रघुवीर, ज्योति, कृष्णा, अभि और जूली की मौत हो गई, जबकि जूली की बेटी आराध्या घायल हुई है। ग्रामीणों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतकों के पास मिले कागजातों के आधार पर उनकी शिनाख्त कराई। हादसे की सूचना मिलते ही रघुवीर और जूली के परिवारों में कोहराम मच गया। रोते-बिलखते मृतकों के परिजन अस्पताल पहुंच गए। हादसे के बाद हाईवे पर काफी देर तक जाम लगा रहा। थाना पुलिस ने शवों को हटवाकर जाम खुलवाया। इस भीषण हादसे को लेकर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। बाइक को किस वाहन ने टक्कर मारी है, इसके बारे में पुलिस जानकारी जुटा रही है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक बबिता चतुर्वेदी के लिए 4पीएम आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रधान संपादक- अर्चना दयाल, संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।